BCM School Basant Avenue Ludhiana

Class VIII

Subject - Hindi Answerkey

1. दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

संगीत मानव जीवन का अभिन्न अंग है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि मानसिक शांति और सृजनात्मकता का स्रोत भी है। भारत में संगीत की दो प्रमुख शैलियाँ हैं – हिन्दुस्तानी और कर्नाटकी। शास्त्रीय संगीत के अलावा लोक संगीत, भजन और आधुनिक संगीत भी लोकप्रिय हैं। संगीत का प्रयोग धार्मिक अनुष्ठानों, उत्सवों, योग और चिकित्सा में भी किया जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मधुर संगीत से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है। आज संगीत एक व्यवसाय भी बन चुका है, जिससे अनेक कलाकार जुड़े हैं।संगीत न केवल भावनाओं को व्यक्त करता है, बल्कि लोगों को एक सूत्र में बाँधने का भी कार्य करता है। यह भाषा और संस्कृति की सीमाओं को पार कर हृदयों को जोड़ता है। आधुनिक युग में फिल्म, विज्ञापन और सोशल मीडिया के माध्यम से संगीत ने नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं। विद्यालयों में भी संगीत शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा है क्योंकि यह बच्चों में आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास करता है। सच कहा जाए तो संगीत वह माध्यम है, जो मानव आत्मा को आनंद और सुकून प्रदान करता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. भारत में संगीत की दो प्रमुख शैलियाँ कौन-सी हैं?

✅ उत्तर: 2) हिन्दुस्तानी और कर्नाटकी

2. संगीत का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में किया जाता है?

✅ उत्तर: 3) धार्मिक अनुष्ठान, उत्सव, योग और चिकित्सा में

3. वैज्ञानिकों के अनुसार संगीत का क्या प्रभाव होता है?

✅ उत्तर: 2) संगीत से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है

कथन–कारण प्रश्न

4.कथन (A): संगीत मानसिक शांति और सृजनात्मकता का स्रोत है।

कारण (R): क्योंकि संगीत सुनने से मन प्रसन्न होता है और विचारों में नवीनता आती है।

✅ उत्तर: 1) कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

5.कथन (A): आज संगीत केवल मनोरंजन का साधन रह गया है।

कारण (R): क्योंकि संगीत का प्रयोग अब केवल फिल्मों में होता है।

✅ उत्तर: 2) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।

2. पद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

कछु भाभी हमको दियो, सो तुम काहे न देत।

चाँपि पोटरी काँख में, रहे कहो केहि हेतु।।

आगे चना गुरुमातु दए ते, लए तुम चाबि हमें नहिं दीने।

स्याम कह्याउे मुसकाय सुदामा सों, “चोरी की बान में हौं जू प्रवीने।।
पोटरी काँख में चाँपि रहे तुम, खोलत नहिं सुधा रस भीने।
पाछिलि बानि अजौ न तजो तुम, तैसई भाभी के तंदुल कीन्हें।।”

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs):

1. सुदामा ने पोटली में क्या छिपाया था?
उत्तर: ✅ 2. तंदुल (चावल)
2. सुदामा को तंदुल किसने दिए थे?
उत्तर: ✅ 3. भाभी (पत्नी) ने
3. “पाछिलि बानि अजौ न तजो तुम” पंक्ति से क्या अभिप्राय है?
उत्तर: ✅ 1. सुदामा ने अपनी पुरानी आदत नहीं छोड़ी
4.कथन (A): श्रीकृष्ण ने सुदामा से कहा कि “चोरी की बान में हौं जू प्रवीने।”
कारण (R): क्योंकि सुदामा ने अपनी पोटली काँख में दबा ली थी और उसे खोलने में संकोच कर रहे थे।
✅ उत्तर: (1) कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।
5.कथन (A): श्रीकृष्ण ने सुदामा की पोटली देखकर उपहास किया।
कारण (R): क्योंकि श्रीकृष्ण सुदामा की भक्ति और स्नेह की परीक्षा लेना चाहते थे।
✅ उत्तर: (1) कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।
3. ‘जहां पहिया है’कहानी के आधार पर बताइए कि प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधा आई?
उ.फातिमा ने जब इस आंदोलन की शुरूआत की तो उसको बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उसे लोगों की फ़ब्तियाँ (गंदी टिप्पणियाँ) सुननी पड़ी। फातिमा मुस्लिम परिवार से थी। जो बहुत ही रूढ़िवादी थे। उन्होंने उसके उत्साह को तोड़ने का प्रयास किया। पुरुषों ने भी इसका बहुत विरोध किया। दूसरी कठिनाई यह थी कि लेड़ीज साइकिल वहाँ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं थी।
4. निर्धनता के बाद मिलने वाली संपन्नता का चित्रण ‘सुदामा चरित’ कविता की अंतिम पंक्तियों में वर्णित है। उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उ.श्रीकृष्ण की कृपा से निर्धन सुदामा की दरिद्रता दूर हो गई। जहाँ सुदामा की टूटी-फूटी सी झोपड़ी रहा करती थी, वहाँ अब सोने का महल खड़ा है। कहाँ पहले पैरों में पहनने के लिए चप्पल तक नहीं थी, वहाँ अब घूमने के लिए हाथी घोड़े हैं, पहले सोने के लिए केवल यह कठोर भूमि थी और अब शानदार नरम-मुलायम बिस्तरों का इंतजाम है, कहाँ पहले खाने के लिए चावल भी नहीं मिलते थे और आज प्रभु की कृपा से खाने को मनचाही चीज उपलब्ध है। परन्तु वे अच्छे नहीं लगते।

5. शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

परात- थाली की तरह का पीतल आदि धातु से बना एक बड़ा और गहरा बर्तन

उपलब्धि - कौशल